

APPROVED  
 8285-2  
 GOV. OF JHARKHAND  
 311911

8 वर्ष 1990 के द्वारा सक्षम है।  
 जो निबंधन कार्यालय शेखपुरा से निबंधित आम मोखार नामा दलील संख्या  
 शेखपुरा, जिला मुंगेर वगैरि आम मोखार उपर्युक्त महादेव प्रसाद बरनवाल  
 2. श्री बंधकदा गणा पिता गणा श्री दुखरुण लाल गणा, साकिन व गणा  
 नामा दलील संख्या 14 वर्ष 2002 के द्वारा सक्षम है।  
 2/2/2002 ईस्वी में निबंधन कार्यालय देवर से निबंधित आम मोखार  
 साकिन शैलवाला राय रोड देवर, गणा व जिला देवर जो निबंधित  
 मोखार श्री महादेव प्रसाद बरनवाल पिता रानीय बंधनगण प्रसाद बरनवाल,  
 हिंदु, पेशा व्यवसाय, साकिन 67/50, स्टैण्ड रोड कलकत्ता, वगैरि आम  
 निबंधन-1. श्री अमय कुमार जैन पिता रानीय मानिक चान्द जैन, जति

for Mot

विक्रय पर कीमत कुल 29,000/- रूपय मात्र

- 1. Fomal No. 14 Janki
- 2. 2.02, Fomal No. 8
- for the year 1990 Fomal
- No. 46 Janki 21.3.80
- Fomal No. 129 Janki
- 9.8.90 & Fomal No.
- 101 Janki 22.6.90
- Fomal No. 129 Janki
- 11/09/02

28875 = 21  
 375 x 21 = 7875



34901000RS

ATTESTED  
 28-5-21  
 GOV. OF JHARKHAND  
 Jharkhand (India)

3/19/11 9/11

सक्षम है।  
 देवघर से निबंध्यत आम मोखार नामा दलील संख्या 102 वर्ष 1990 के द्वारा  
 थाना व जिला देवघर जो दिनांक 22/6/1990 ईस्वी में निबंध्यन कार्यालय  
 5. श्री मुखरी प्रसाद पिला स्वर्गीय लक्ष्मी प्रसाद, साकिन बम्पस टाउन देवघर,  
 निबंध्यत आम मोखार नामा दलील संख्या 129 वर्ष 1990 के द्वारा सक्षम है।  
 बरनवाल जो दिनांक 9/8/1990 ईस्वी में निबंध्यन कार्यालय देवघर से  
 देवघर, थाना व जिला देवघर वजरीय आम मोखार उपर्युक्त महादेव प्रसाद  
 4. श्री रामानन्द अग्रवाल पिला श्री बम्पनाथ अग्रवाल, साकिन कार्खस टाउन  
 के द्वारा सक्षम है।  
 कार्यालय देवघर से निबंध्यत आम मोखार नामा दलील संख्या 46 वर्ष 1980  
 उपर्युक्त महादेव प्रसाद बरनवाल जो दिनांक 21/3/1980 ईस्वी में निबंध्यन  
 शैलवाला राय शैल देवघर, थाना व जिला देवघर वजरीय आम मोखार  
 3. श्रीमती सुशीला बरनवाल पिला श्री महादेव प्रसाद बरनवाल, साकिन

for Mob

2  
 Nalanda  
 Bureaul  
 11/09/02



ATTESTED  
 28.5.21  
 GOVERNMENT OF UTTAR PRADESH  
 GOVT. OF UTTAR PRADESH  
 GOVT. OF UTTAR PRADESH

31/11/21

समिति का विवरण - निम्न अनुसूची समिति में वर्णित है ।

समिति की कीमत - कुल 29,000/- उन्नीस हजार रुपये मात्र ।

लेख प्रकार - लिख पत्र ।

3.  
 कर्ता-श्रीमती आशा देवी पति श्री शंभू काक शंकर सिंह, जालि वाजपुत, पश्चा  
 गुरुवामीनी, सामकन करहनीबाद, थाना कुंठा, सतलुहाविजन, सतलुहादेवी व  
 जिला देवर। सतलुहादेवी भारतीय।

Handwritten signature  
 11.09.21



NOTARY REGD. NO.-225A  
 SOV. OF JHARKHAND  
 21/09/11  
 WITNESSED

31/9/11

उपरोक्त हरे प्रसाद गड्डेवाल अपने वारिस पुत्र गणेश  
 प्रसाद गड्डेवाल उर्फ मधुसूदन गड्डेवाल तथा तीन पौत्र कमलाकान्त  
 कुमार गड्डेवाल, सुशील कुमार गड्डेवाल व अनिल कुमार गड्डेवाल के  
 साथ उक्त सम्पत्ति के मालिक व दखलदार रहते हुए हरे प्रसाद  
 गड्डेवाल के निधन कायालय कलकत्ता से निवृत्त विधायक पुत्र  
 सख्या 6995 वर्ष 1982 के द्वारा, उक्त सम्पत्ति के अन्दर आया यानि एक  
 बीघा साई सतरह कटवा लघुपरिचित मकान आदि को अग्रगण्य आ प्राप्त

विहित ही कि टाउन देवर के अन्तर्गत मौजा करहनीवा  
 नो 584 के अन्दर बसोड़ी सल की जमीन रकबा स्थानीय रोहिणी स्टेट के  
 साई सात हथ लगा के माप से तीन बीघा पन्द्रह कटवा, अन्दर सेटलमेन्ट  
 प्लॉट नो 189, जमाबंदी नो 39/1, जो गुजाल गड्डेवाल प्राप्त राम  
 प्रसाद गड्डेवाल के नाम से दर्ज है जिसपर वह निवृत्त रूप से दखलदार  
 रहते हुए अपने पीछे एकमात्र पुत्र हरे प्रसाद गड्डेवाल को छोड़कर  
 स्वर्गवास कर गये।

Notary Public  
 11-09-02

*[Handwritten signature]*



ATTESTED  
NO. 2254  
GOV. OF JHARKHAND  
31/11/11

इसतरह बिक्री संख्या 1, बिक्री संख्या 2 तथा अशोक कुमार उषा सम्पत्ति के मालिक व दखलदार हुए किन्तु उषा सम्पत्ति के बावत अन्य वास्तुमान उठ खड़ा हुए निम्नके साथ मुकदमे वाली भी हुई किन्तु मुकदमा को सुलझाने के लिये सभी दावेदारों ने सुलझनामा पत्र पर अपना अपना हस्ताक्षर कर आदान में दाखिल कर दिये ।

इन्दर प्रसाद सिन्हा ने अपना खरीदगी अंश को दिनांक 30/7/1988 ईस्वी/1/8/1988 ईस्वी में निबंधन कार्यालय कलकत्ता से निबंधित बिक्रय पत्र संख्या 8485 वर्ष 1988 के द्वारा, बिक्री संख्या 1 के पास तथा सिद्धेश्वर बरनवाल ने भी अपना खरीदगी अंश को दस बिक्री संख्या पत्र संख्या 8486 वर्ष 1988 के द्वारा, बिक्री संख्या 1 तथा अशोक कुमार पिता मुंशी प्रसाद साकिन व थाना बाढ़, जिला पटना के पास बिक्री कर दिया ।

भवनाथ झा ने अपना खरीदगी अंश को दिनांक 28/7/1988 ईस्वी में निबंधन कार्यालय कलकत्ता से निबंधित बिक्रय पत्र संख्या 8379 वर्ष 1988 के द्वारा, बिक्री संख्या 1 के पास बिक्री कर दिया तथा सागरलाल बरनवाल ने अपना खरीदगी अंश को दिनांक 29/7/1988 ईस्वी में निबंधन कार्यालय कलकत्ता से निबंधित बिक्रय पत्र संख्या 8419 वर्ष 1989 के द्वारा, बिक्री संख्या 2 के पास बिक्री कर दिया ।

इन्दनाथ झा साकिन देवधर व सिद्धेश्वर प्रसाद बरनवाल पिता मधुसूदन बरनवाल साकिन गुंमर, थाना लक्ष्मीपुर, जिला मुंगेर के पास तथा दस बिक्री संख्या पत्र संख्या 6996 वर्ष 1982 के द्वारा, आधा भाग रकबा एक बीघा साई सतरह कठ्ठा तदुपरिस्थित मकान आदि को सागरलाल बरनवाल पिता पतक लाल बरनवाल साकिन लीलबाई, थाना जसीडीह, जिला देवधर व इन्दर प्रसाद पिता श्रीलाल प्रसाद साकिन बरनसिया देवधर के पास बिक्री कर दिया ।

5  
M.K.  
11.09.02  
Mahaeshwar Dasgupta

ATTESTED  
8/28/92  
307 OF JHARKHAND  
GOVERNMENT

अभी हम बिक्री को अपने आवश्यक जल्दी सांसातिक खर्च के लिये कृपय की सख्त जकरत है इसलिये निम्न अर्जायों सम्पत्ति में वर्णित है, को बिक्री करने का ऐलान किया।

उपर्युक्त अर्जाक क्रमर बजारीय आम मोखार बिप्रायी प्रसाद पिता किशन लाल सािकन कवहरी रोड देवघर, बजारीय पावर न० 88 वर्ष 1990 निबधन कार्यालय देवघर, दिनांक 30/4/1992 ईस्वी में निबधन कार्यालय देवघर से निबधित बिकय पत्र संख्या 1308 वर्ष 1992 के द्वारा, अर्थात् सम्पत्ति के अन्दर बिना बटवारे का अपना अंश रकवा कमबेशी 2 दो कटवा को बिक्री साख्या 3 तीन के पास बिक्री कर दिये।

इसतरह उक्त मखलम सम्पत्ति रकवा तीन बीघा पन्द्रह कटवा तदुपरिस्थित मकान आदि के अन्दर बिक्री साख्या 1 रकम दस आना, बिक्री साख्या 2 रकम दो आना, अर्थात् क्रमर रकम एक आना, बिक्री साख्या 4 रकम एक आना, बिक्री साख्या 5 रकम एक आना तथा सीताराम बरनवाल रकम एक आना के मातिक होकर निबिदाद रूप से भोग रखल करत हुए अधिकार भागों को बिक्री भी कर दिये जिसमें सीताराम बरनवाल ने अपना पूर्ण अंश बिक्री किये।

सुनील कुमार राजगडिया ने दिनांक 8/6/1989 ईस्वी में निबधन कार्यालय देवघर से निबधित बिकय पत्र संख्या 1961-वर्ष 1989 के द्वारा, उक्त खरीदगी आठ आना सम्पत्ति के अन्दर रकम तीन आना को बिक्री साख्या 4, बिक्री साख्या 5 तथा सीताराम बरनवाल पिता मुंशी लाल बरनवाल सािकन देवीपुर, थाना जरीडीह, जिना देवघर के पास तथा देसरा बिक्री साख्या 1 के पास बिक्री कर दिया।

उक्त अन्य बरिसान मोहन लाल गडशीवाल ने उक्त सम्पत्ति के अन्दर अर्थात् को दिनांक 1/10/1982 ईस्वी में निबधित बिकय पत्र के द्वारा, सीता देवी के पास बिक्री कर दिया। सीता देवी ने उक्त खरीदगी सम्पत्ति को दिनांक 14/2/1989 ईस्वी में निबधित दलील के द्वारा, सुनील कुमार राजगडिया के पास बिक्री कर दिया।

Yakad-554.  
Jankumar  
11-09-02  
[Handwritten marks]

ATTESTED  
8/28/21  
30V ON EXHIBIT  
NOT APPLICABLE

31/11/21  
दिनांक

उपर्युक्त उचितियों के खिलाफ अगर साबित हो या आपको खरीदनी तक में किसी भी तरह का खलल पहुंचे या कोई दोष निकले तो ऐसी स्थिति हम बिकता मय वारिस्मान, आप कता मय वारिस्मान को कीमत का कौल कपया मय हजाना व खर्चा का देनदार रहेंगा।

निम्न बिकत सम्पत्ति की हम बिकता ही मालिक हैं, इसमें किसी कोई अंशदार या दखलकार नहीं है व इसके पहले निम्न सम्पत्ति की किसी के पास किसी तरह का दाय-सयुक्त या हस्तान्तरण आदि नहीं किये हैं। हर तरह से साफ व पाक है।

से निरस्त होगा। आपकी नही होगी न कोई कर सकंगा अगर कोई करे तो वह न्यायालय करती रहे, इसमें मुझ बिकता मय वारिस्मान को किसी भी तरह की उध हस्तान्तरण आदि करने की अधिकारिणी होकर देखा मुझे भीग दखल कम से भीग, दखल, दान, बिकी, मारिज व नाम प्रकार के वारदेन व व दखलकारीणी होकर मय अपने पुत्र पीजादि वारिस्मान व रथलामिषवतगण अब आप कता, हम बिकता के मत्त व दखल से सत्वती

आप कता के पास बिकी कर दिया और आपके दखल कब्जे में दिया। नकशा में लाल रंग से रंगा अंश में दिखाया गया है, मय कौल तक हकुक, कौल कपय लेकर निम्न अनुसूची सम्पत्ति में बिकत सम्पत्ति जो सलन अतएव आज तारीख हम बिकता, आप कता से कीमत के

कायम हुए। पर अपने साबित स्वीचन से खरीद करने की देखा जाहिर करने पर उभय आप कता इसे अभी के बाजार भाव से अधिकतम कीमत पक्ष की मजूरी से इसकी कीमत कौल 29,000/- (उनदीस हजार कपय

7  
दिनांक

Yashdeep Kumar  
11.09.21

ATTESTED  
 307 OF MR. KHANQ  
 3/19/11

Yakub M. Dawood

- 1. 411 411 411 411 411 411 411 411 411 411
- 2. 411 411 411 411 411 411 411 411 411 411
- 3. 411 411 411 411 411 411 411 411 411 411
- 4. 411 411 411 411 411 411 411 411 411 411
- 5. 411 411 411 411 411 411 411 411 411 411

Yakub M. Dawood

**अनुसंधान समिति**

निम्न विहित समिति के सम्बन्ध में आगर मण्डल में हम  
 विकला मय वारिसान को कुछ लिखना या करना पड़ेगा तो ऐसी स्थिति में  
 आप केला मय वारिसान के अनुसंधान व खर्च से वेसा लिखने व करने को  
 तैयार रहेंगे ।  
 अगरव आज लीख हम विकला खंखा से मन व शौर  
 की रखरखावता में रककर बिना किसी के दवाब या बहकाव कीमत के केवल  
 रूपसे लेकर यह विकय पत्र लिख दिया जो प्रमाण रहे दिनांक 11.09.2002

Yakub M. Dawood  
 11.09.02

for M.O.



ARRESTED  
82892  
UTAR PRADESH, NO. 255A  
GOVT. OF U.P. DISTRICT  
Muzaffarnagar

11.9.2002  
31/11/02  
31/12/02  
31/1/03  
31/2/03  
31/3/03  
31/4/03  
31/5/03  
31/6/03  
31/7/03  
31/8/03  
31/9/03  
31/10/03  
31/11/03  
31/12/03

31/11/02  
11/9/02

Handwritten signature and scribbles

11.09.02

① Maalkar Kumar Jaisal.  
Custodian's town Dehra

11.09.02

Handwritten signature

प्राप्ति

धोषा- उक्त विहित समिति परकी सूचक से 131 फीट से अधिक दूरी पर है। निर्धारित मुख्यालय के अनुसार स्वामित्व दिया गया है।

5.

Handwritten signature

Handwritten signature  
11-09-02

APPROVED  
30' OF JHARKHAND  
UTARV. RECD. NO. 2254  
31/9/11

PLANNED  
P.K. (1/11)

14'0" WIDE P.P. ROAD



11.09.02  
N. K. SINGH  
B. K. SINGH

SCALE: - 1:200

SITE PLAN OF LAND UNDER MOUZA KARNIBAG NO-52  
WITHIN DEOGHAR MUNICIPAL TOWN WARD NO-16 PART  
T.P. PLOT NO-189 SUB PLOT NO-53  
WITHIN RED BOUNDARY LINE BELONGS TO SHRI ABHU  
KUMAR JAIN & OTHERS NOW SOLD TO Smt ASHA DEVI  
WID BHA SHANK SHEKHAR SINGH OF VILLAGE MACHDIYA  
P.S. SARWAH DIST DEOGHAR.

Handwritten signature